www.pdgroup.in
E-mail : publisher@pdgroup.in
वर्ष 35 द्वितीय अंक
सितम्बर 2021

सामान्य ज्ञान दर्पण

इस अंक में...

7 सम्पादकीय
9 समसामयिक सामान्य ज्ञान
12 आर्थिक परिदृश्य
17 राष्ट्रीय परिदृश्य
23 अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य
28 क्रीड़ा जगत्
33 विज्ञान समाचार
35 समसामयिक महत्वपूर्ण तथ्य
36 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
39 सारभूत तत्व कोष

लेख

42 **सामयिक लेख**—(i) कोविड-19 वैश्विक महामारी जनित लॉकडाउन के प्रभाव
44 (ii) हाल में विकसित नूतन प्रौद्योगिकियाँ
46 **विधिक लेख**—डेटा सुरक्षा कानून
47 **अन्तरिक्ष-प्रदूषण लेख**—पृथ्वी के लिए खतरा है उपग्रहों व रॉकेटों का कचरा
49 **कृषि लेख**—वर्तमान समय की माँग मृदा परीक्षण
50 **विज्ञान-लेख**—जीवित जीवाश्म : एक परिचय
51 **अंतरिक्ष-लेख**—जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप-खगोल विज्ञान में एक कीर्तिमान
52 कॅरियर सलाह

हल प्रश्न-पत्र

54 एस.एस.सी. दिल्ली पुलिस कॉंस्टेबिल (एक्जीक्यूटिव) भर्ती परीक्षा, 2020

61 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2020
89 राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित पशुधन सहायक सीधी भर्ती परीक्षा, 2018
94 आर.पी.एफ./आर.पी.एस.एफ. कॉंस्टेबिल भर्ती परीक्षा, 2018

मॉडल हल प्रश्न-पत्र

102 आगामी उत्तर प्रदेश बी.एड. प्रवेश परीक्षा, 2021 हेतु विशेष हल प्रश्न
112 आगामी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित (प्रारम्भिक) अर्हता परीक्षा (PET-2021) हेतु विशेष हल प्रश्न
117 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित आर.आर.बी. ऑफिस असिस्टेंट (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

विविध/सामान्य

125 **वर्षांत समीक्षा 2020 :** पंचायती राज मंत्रालय
127 ज्ञान वृद्धि कीजिए
129 रोजगार समाचार

सामान्य ज्ञान दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. **-सम्पादक**

सम्पादकीय

प्रकाश का वितरण कीजिए

''अप्प दीपो भव'' *–भगवान बुद्ध*

गोधूलि-वेला थी और मैं अपने काम से उद्विग्न मन लेकर वापस आ रहा था. मैं अपनी दुनिया में डूबा हुआ चला जा रहा था. यकायक तेज रोशनी ने मुझे अंधा-सा बना दिया, मैं सामने देखने में असमर्थ था, परन्तु वह स्थिति अगले ही क्षण समाप्त हो गई. ध्यानपूर्वक विचार करने पर मेरी समझ में आया कि दूरस्थ एक भवन की एक खिड़की के शीशे ने अस्ताचल गामी सूर्य की एक किरण को, जो बादलों के मध्य से किसी प्रकार प्रकट हो रही थी, प्रतिफलित किया था. उस प्रतिफलित प्रकाश ने एक विशेष कोण पर स्थित मुझे अंधा बना दिया था. एक क्षण पश्चात् खिड़की का शीशा सूर्य के प्रकाश के लिए दर्पण नहीं रहा था, एक विशेष कोण पर गिरने वाले प्रकाश को काँच ने प्रतिफलित किया था और उस प्रतिफलित प्रकाश ने एक विशेष कोण पर स्थित मुझे प्रभावित किया था.

उक्त प्रकाश ने मुझको एक नई दुनिया में भेज दिया. मैं अपनी उद्विग्नता को भूलकर सूर्य और उसकी किरण के विषय में सोचने लगा था.

सूर्य ने मुझको प्रभावित करने के लिए कोई योजना नहीं बनाई थी. प्रकाश को प्रतिफलित करने वाले शीशे के दिमाग में भी मैं नहीं था. वे दोनों अपने-अपने धर्म का पालन कर रहे थे–एक अपने धर्मानुसार चमक रहा था और दूसरा अपने धर्म का पालन करते हुए प्रकाश को प्रतिफलित कर रहा था. मैं उनके मध्य में आ गया था और मुझे एक नई दुनिया के विषय में सोचने की प्रेरणा प्राप्त हो गई.

जिस प्रकार सूर्य और खिड़की के काँच ने अनायास मुझको एक नया रास्ता दिखाया था, उसी प्रकार हमारे चारों ओर स्थित प्रत्येक पदार्थ हमको एक नई दुनिया की दौलत से परिचित कराते हुए प्रतीत होता है. मैं इसको जीवन का एक पुरस्कार मानता हूँ. इसके विषय में वेद कहते हैं–हे अग्नि देवता, हमको पुरस्कार का नवीन मार्ग दिखाने की कृपा करें, केवल अग्नि ही क्यों, यज्ञ में प्रयुक्त होने वाला प्रत्येक पदार्थ समिधा, घी, पात्र, वेदी का पत्थर आदि–इस नए मार्ग के प्रेरक है. कारण स्पष्ट है, प्रत्येक पदार्थ अपने धर्म का पालन करते हुए जीवन के गुप्त प्रकाश का दर्पण बन जाता है. जीवन और आनन्द प्रदायक समस्त पदार्थ गतिमान बने रहते हैं, इस प्रकार विश्व का प्रत्येक पदार्थ, प्रत्येक कण अपने धर्म का पालन करते हुए एक गुप्त संदेश का उद्घाटन करता है.